an>

title: Need to abolish excise duty on gold jewellery.

श्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग) : धन्यवाद सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं स्वर्ण जेवरों पर आरोपित एक्साइज ड्यूटी को समाप्त करने के विषय में अपनी बात कहना चाहता हूं।

महोदय, पूरे देश में सर्राफा व्यवसाय बन्द है और लगातार हड़ताल चल रही है। केन्द्र सरकार द्वारा वार्षिक बजट 2016 में स्वर्ण एवं डायमंड जेवरों पर एक्साइज ड्यूटी आरोपित की गयी है। केन्द्र सरकार का यह कदम एक व्यापार विरोधी निर्णय है। पूरे देश में उसके विरोध में सर्राफा दुकानें बन्द हैं। सामान्यतः एक्साइज संगठित क्षेत्र में उत्पादन पर लगता है, किन्तु सर्राफा में जेवर निर्माण स्वर्णकारों द्वारा किया जाता है जो संगठित नहीं है। भारत के सर्राफा व्यापारी कर देने में भी पीछे नहीं रहे हैं, उनका विरोध कर आरोपित करने पर नहीं है, अपितु एक्साइज तथा उसकी जटिलताओं की आड़ में इंसपेक्टर राज का विरोध है। सारे व्यापारी स्वयं जेवर निर्माण नहीं करते हैं या अपना कारखाना संचालित नहीं करते हैं, बल्कि जेवरों का निर्माण जॉब वर्क के मार्फत स्वर्णकार या जिसे हम कारीगर कहते हैं, उनसे करवाते हैं। एक जेवर तैयार होने में आठ से दस लोगों का कार्य होता है, जो किसी एक छत के नीचे नहीं होता है। ऐसी स्थिति में एक्साइज की जटिलता का अनुपालन कतई संभव नहीं है। एक्साइज की ड्यूटी सीमा छः करोड़ रुपये या 12 करोड़ रुपये महत्वपूर्ण नहीं है, कानून आरोपित होने पर पूरा सर्राफा व्यवसाय एक्साइज विभाग की प्रताड़ना में आ जाएगा। सन् 2012 में, वर्तमान प्रधानमंत्री सम्मानीय नरेन्द्र मोदी जी ने भी सर्राफा व्यवसाय पर गोल्ड कंट्रोल की आड़ में एक्साइज डिपार्टमेंट द्वारा व्यापारियों एवं स्वर्णकारों की प्रताड़ना का उल्लेख कई भाषणों में किया है। केन्द्र सरकार का यह निर्णय पूर्णतः अदूरदर्शी और व्यापार विरोधी है। सरकार के इस निर्णय की पुनः समीक्षा कर, यदि करारोपण आवश्यक हो तो कस्टम ड्यूटी या अन्य किसी मद में लिया जाए। वर्तमान में लगभग पूरा सोना दस प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगकर ही आ रहा है। सर्राफा व्यापार को एक्साइज की प्रताड़ना से मुक्त करें व इस आदेश को वापस ले लें, ऐसा माननीय मंत्री जी से मेरा आग्रह है। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: Shri Arvind Sawant and Shri Rahul Ramesh Shewale are permitted to associate with the issue raised by Shri Tamradhwaj Sahu.